

SA-02

June - Examination 2018

B.A. Pt. I Examination

भारतीय संस्कृति के तत्त्व,
पद्य साहित्य, अनुवाद एवं व्याकरण
Paper - SA-02

Time : 3 Hours]**[Max. Marks :- 100**

Note: The question paper is divided into three sections A, B and C. Write answers as per the given instructions.

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section - A**10 × 2 = 20**

(Very Short Answer Questions)

Note: Answer **all** questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to 30 words. Each question carries 2 marks.

खण्ड - 'अ'

अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न (अनिवार्य)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

- 1) (i) चतुर्पुरुषार्थ के नाम लिखिए?
- (ii) संन्यास का शाब्दिक अर्थ क्या होता है?
- (iii) महर्षि मनु के अनुसार विवाह कितने प्रकार के होते हैं?
- (iv) किरातार्जुनीय में कितने सर्ग हैं?
- (v) अस् धातु विधिलिङ् लकार उत्तम पुरुष के रूप लिखिए।
- (vi) बृहत्त्रयी में किन ग्रन्थों की गणना की जाती है?
- (vii) प्रत्यय किसे कहते हैं?
- (viii) अव्यय किसे कहते हैं?
- (ix) आत्मनेपद धातु किसे कहते हैं?
- (x) व्याकरण किसे कहते हैं?

Section - B

4 × 10 = 40

(Short Answer Questions)

Note: Answer **any four** questions. Each answer should not exceed 200 words. Each question carries 10 marks.

खण्ड - ब

(लघुत्तरात्मक प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) निम्न में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए?

- (i) क्रियासु युक्तैर्नृप! चारचक्षुषो न वचनीयाः प्रभवोऽनुजीविभिः।
अतोऽर्हसि शन्तुमसाधु साधु वा हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः॥

(ii) अवन्ध्यकोपस्य विहन्तुरापदां भवन्ति वश्याः स्वयमेव देहिनः।
अमर्षशून्येन जनस्य जन्तुना न जातहार्देन न विद्विषादरः॥

3) सभ्यता तथा संस्कृति में क्या अन्तर है?

4) निम्न में से किन्हीं दो सूक्तियों की व्याख्या कीजिए।

(i) स सौष्ठवौदार्यविशेषशालिनीं विनिश्चिताथामितिवाचमाददे।

(ii) वरं विरोधोऽपि समं महात्मभि।

(iii) सदानुभूलेषु हि कुर्वते रतिं नृपेष्वमात्येषु च सर्वसम्पदः।

(iv) व्रजन्ति शत्रूनवधूय निस्पृहाः शमेन सिद्धिं मुनयो न भूभृतः।

5) ऋण किसे कहते हैं? त्रिविध ऋणों को स्पष्ट कीजिए।

6) निम्नलिखित सूत्रों की व्याख्या कीजिए।

(i) समानकर्तृकयोः पूर्वकाले

(ii) तुमुन्ण्वुलौ क्रियायां क्रियार्थायाम्

7) निम्नलिखित शब्दों के रूप लिखिए।

(i) इकारान्त 'पति' शब्द

(ii) तद् (वह) स्त्रीलिंग (सर्वनाम)

8) कृत् प्रत्यय किसे कहते हैं? कृत्य प्रत्यय को स्पष्ट कीजिए।

9) अनुवाद किसे कहते हैं? अनुवाद के त्रिविध प्रकारों का उल्लेख कीजिए।

Section - C**2 × 20 = 40**

(Long Answer Questions)

Note: Answer **any two** questions. You have to delimit your each answer maximum up to 500 words. Each question carries 20 marks.

खण्ड – स

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप को अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित करना है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

- 10) संस्कृति किसे कहते हैं? भारतीय संस्कृति की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
- 11) किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) के आधारपर दुर्योधन का चरित्र चित्रण कीजिए।
- 12) भारतीय संस्कृति में पंचमहायज्ञों पर एक लेख लिखिए।
- 13) आश्रम किसे कहते हैं? आश्रम के प्रकारों का वर्णन करते हुए उनके महत्त्व पर चर्चा कीजिए।
